भारत सरकार
आयुष मंत्रालय

लोक सभा
तारांकित प्रश्न सं. 67*
26 जुलाई, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

स्टूडेंटशिप प्रोग्राम फॉर आयुर्वेद रिसर्च केन

*67. श्री बिद्युत बरन महतो:
श्री देवेन्द्र सिंह उर्फ भोले सिंह:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) स्टूडेंटशिप प्रोग्रम फॉर आयुर्वेद रिसर्च केन (स्पार्क) का ब्यौरा क्या है;
(ख) देश में, विशेषकर झारखंड, महाराष्ट्र, कर्नाटक और राजस्थान में आयुर्वेद के क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने से संबंधित उद्देश्य और लक्ष्य किस सीमा तक प्राप्त किए गए हैं;
(ग) आयुर्वेद विज्ञान की उन्नति में सक्रिय योगदान देने के लिए छात्रों को प्रदान किए गए अवसरों का ब्यौरा क्या है; और
(घ) विगत पांच वर्षों के दौरान देश में, विशेषकर झारखंड, महाराष्ट्र, कर्नाटक और राजस्थान में ऐसे अवसरों का लाभ ले चुके छात्रों की संख्या का राज्य-वार ब्यौरा क्या है?

<u>उत्तर</u>
आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (घ): विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

लोक सभा में 26 जुलाई, 2024 को पूछे गए तारांकित प्रश्न संख्या 67* के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) से (ख): स्टूडेंटशिप प्रोग्राम फॉर आयुर्वेद रिसर्च केन (स्पार्क) को आयुर्वेद के स्नातक छात्रों के बीच अनुसंधान के लिए रुचि और योग्यता को बढ़ावा देने के लिए सितंबर 2022 में शुरू किया गया था। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आयुर्वेद के स्नातक छात्रों को स्वतंत्र अनुसंधान परियोजनाओं में शामिल होकर अल्प अवधि के लिए जुड़ते हुए अनुसंधान पद्धति और तकनीकों से अपने आपको परिचित होने का अवसर प्रदान करना है। यह केवल स्नातक स्तर के आयुर्वेद चिकित्सा और शल्य चिकित्सा स्नातक (बीएएमएस) के प्रथम वर्ष से चौथे वर्ष (चौथे वर्ष की अंतिम परीक्षा में बैठने से पहले) के उम्मीदवारों के लिए एक पूरी तरह से ऑनलाइन कार्यक्रम है। केवल 100 छात्रों की प्रवेश क्षमता पर छात्रवृत्ति का मूल्य दो महीने की अवधि के लिए 25,000/- रुपये प्रति माह (कुल 50,000/- रुपये) है। वर्ष 2022-23 बैच में, कुल 778 अनुसंधान प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनमें से 100 प्रस्तावों को तीन-स्तरीय समीक्षा प्रणाली के माध्यम से चुना गया और 95 उम्मीदवारों को उनकी अंतिम रिपोर्ट प्राप्त होने और स्वीकार किए जाने पर छात्रवृत्ति प्रदान की गई थी। वर्ष 2023-2024 के लिए, आयुष मंत्रालय ने स्टूडेंटशिप प्रोग्राम फॉर आयुर्वेद रिसर्च केन (स्पार्क) के लिए वार्षिक प्रवेश को 100 से बढ़ाकर 200 कर दिया है। स्पार्क के लिए कुल 2186 छात्र पंजीकृत हुए थे, जिनमें से ऑनलाइन वेब पोर्टल पर 615 सफल प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए। दिनांक 18/01/2024 को, स्पार्क बैच 2023-2024 का परिणाम स्पार्क वेब पोर्टल और सीसीआरएएस वेबसाइट पर घोषित किया गया था। वर्ष 2022-23 और 2023-24 के लिए झारखंड के किसी भी कॉलेज ने स्पार्क कार्यक्रम में भाग नहीं लिया। महाराष्ट्र, कर्नाटक और राजस्थान राज्य से स्पार्क कार्यक्रम में भाग लेने वाले कॉलेजों के विवरण **संलग्नक-I** में दिए गए हैं।

स्पार्क कार्यक्रम आयुर्वेद के स्नातक छात्रों को भविष्य में अनुसंधान को करियर के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित करता है। यह कार्यक्रम अनुसंधान क्षमता को विकसित करने तथा अधिक स्नातक छात्रों को डॉक्टरेट और पोस्ट डॉक्टरेट अनुसंधान अध्ययन करने के लिए प्रोत्साहित करके आयुर्वेद में उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान हेतु आधार तैयार करने में मदद करता है। छात्रों को वैज्ञानिक अध्ययन करने और स्वयं की क्षमता पर अनुसंधान प्रस्ताव तैयार करने का अनुभव मिलता है, जो उन्हें पीजी, पीएचडी और अन्य अनुसंधान-संबंधी लक्ष्यों को प्राप्त करने के दौरान उनके भावी करियर विकास में मदद करेगा। केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) को भी छात्रों के अभिनव अनुसंधान विचारों से लाभ मिलता है, जिसका उपयोग उनकी सहमति से बड़े पैमाने पर अनुसंधान परियोजनाओं के लिए किया जाएगा।

(ग): उपरोक्त के अलावा, आयुष मंत्रालय ने आयुर्वेद विज्ञान की उन्नति में सक्रिय योगदान देने के लिए छात्रों को प्रोत्साहित करने हेतु निम्नलिखित कदम उठाए हैं:-

(i) स्नातकोत्तर विद्वानों हेतु आयुर्वेद अनुसंधान प्रशिक्षण योजना (पीजी-एसटीएआर): पीजी-एसटीएआर योजना के तहत वर्ष 2021-22 में राज्यों को **संलग्नक-II** के अनुसार आयुर्वेद पीजी विद्वानों की सुविधा के लिए वित्तीय और तकनीकी सहायता प्राप्त हुई है।

(ii) आयुष डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) फेलोशिप कार्यक्रम: राज्यों को इस कार्यक्रम के तहत **संलग्नक-III** के अनुसार फेलोशिप प्राप्त हुई है।

(iii) सीसीआरएएस पोस्ट-डॉक्टरल फेलोशिप स्कीम (पीडीएफ): इस योजना के तहत राज्यों को **संलग्नक-IV** के अनुसार आयुर्वेद विद्वानों हेतु अनुसंधान की सुविधा के लिए वित्तीय और तकनीकी सहायता प्राप्त हुई है।

(iv) स्कोप फॉर मेनस्ट्रीमिंग आयुर्वेद रिसर्च इन टीचिंग प्रोफेशनल (एसएमएआरटी) प्रोग्राम: कार्यक्रम का उद्देश्य सहयोगात्मक अनुसंधान करना, सहायता करना, बढ़ावा देना और समन्वय करना तथा आयुर्वेद शैक्षणिक संस्थानों के बीच नेटवर्क और संबंधों को बढ़ावा देना

एवं उपचार अनुपालन, सहनीयता, सुरक्षा और आयुर्वेद उपचार की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करना है। प्रारंभिक चरण में ऑस्टियोआर्थराइटिस (ओए), आयरन डेफिसिएंसी एनीमिया (आईडीए), जेनरेलाइज्ड एंजाइटी डिस्ऑर्डर (जीएडी), सोरायसिस, डिस्लिपिडेमिया और रुमेटॉइड आर्थराइटिस (आरए) जैसे प्राथमिक क्षेत्रों में बहुकेंद्रीय सहयोगात्मक अध्ययन किए जाने हैं। इस योजना के तहत परिषद, सीसीआरएएस के तहत संस्थानों द्वारा आपसी सहयोग और समन्वय के माध्यम से आयुर्वेद शिक्षाविदों और तृतीयक देखभाल वाले अस्पतालों के बीच आयुर्वेद में एकीकृत अनुसंधान के माध्यम से सुदृढ़ नैदानिक अध्ययन को बढ़ावा देने के लिए शिक्षाविदों को तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करती है।

(घ): स्मार्ट कार्यक्रम के अंतर्गत, 12 अध्ययन स्थलों पर 03 बहुकेंद्रीय ओए अध्ययन, 12 स्थलों पर 03 आईडीए अध्ययन, 08 अध्ययन स्थलों पर 02 सोरायसिस अध्ययन, 04 स्थलों पर प्रत्येक में 1 जीएडी, 1 आरए और 01 डिस्लिपिडेमिया अध्ययन शुरू किए गए हैं। संक्षेप में, इस अनुसंधान परियोजना को शुरू करने के लिए पूरे भारत के 38 कॉलेजों के 44 अध्ययन स्थल 10 समन्वयकारी सीसीआरएएस संस्थानों के साथ सहयोग करेंगे। विवरण **संलग्नक-V** में दिया गया है।

सीसीआरएएस की अनुसंधान गतिविधियाँ पूरे भारत में स्थित इसके 30 संस्थानों/केंद्रों और विभिन्न विश्वविद्यालयों, अस्पतालों और संस्थानों के साथ सहयोगात्मक अध्ययनों के माध्यम से संचालित की जाती हैं। झारखंड राज्य में सीसीआरएएस के अंतर्गत कोई भी संस्थान कार्यरत नहीं है। महाराष्ट्र, कर्नाटक और राजस्थान राज्यों में सीसीआरएएस के अंतर्गत कार्यरत संस्थानों की सूची **संलग्नक-VI** में दी गई है।

*****

संलग्नक-I

स्टूडेंटशिप प्रोग्राम फॉर आयुर्वेद रिसर्च केन (स्पार्क):

क्र. सं.	**राज्य**	**2022-23 में भाग लेने वाले कॉलेजों की कुल संख्या**	**2023-24 में भाग लेने वाले कॉलेजों की कुल संख्या**
1.	कर्नाटक	14	26
2.	महाराष्ट्र	6	17
3.	राजस्थान	1	3

संलग्नक-II

स्नातकोत्तर विद्वानों हेतु आयुर्वेद अनुसंधान प्रशिक्षण योजना (पीजी-एसटीएआर):

क्र. सं.	**राज्य**	**कॉलेजों की कुल संख्या**	**चयनित प्रस्तावों की संख्या**
1.	कर्नाटक	16	31
2.	महाराष्ट्र	9	15
3.	राजस्थान	2	06

संलग्नक-III

आयुष पीएच.डी. फेलोशिप कार्यक्रम:

कार्यक्रम का नाम	**आरंभ का वर्ष**	**फेलोशिप प्रदान करने का वर्ष**	**राज्य का नाम**	**प्रत्येक राज्य में प्रदान की गई फेलोशिप की संख्या**
आयुष पीएच.डी. फेलोशिप कार्यक्रम	**2016**	**2018**	कर्नाटक [आयुष (आयुर्वेद)]	02
			राजस्थान [आयुष (आयुर्वेद)]	02
			कुल	**04**
		2017-2019	**कुल योग**	**04**

संलग्नक-IV

सीसीआरएएस पोस्ट-डॉक्टरल फेलोशिप योजना (पीडीएफ):

कार्यक्रम का नाम	**आरंभ का वर्ष**	**फैलोशिप प्रदान करने का वर्ष (बैचवार)**	**राज्य का नाम**	**प्रत्येक राज्य में प्रदान की गई फेलोशिप की संख्या**
पोस्ट-डॉक्टरल फेलोशिप योजना (पीडीएफ)	**2021**	पीडीएफ 2022 जून बैच	कर्नाटक	01
		पीडीएफ 2022 दिसंबर बैच	कर्नाटक	01
		पीडीएफ 2023 जून बैच	महाराष्ट्र	01
			राजस्थान	01
		पीडीएफ 2022 जून बैच	राजस्थान	01
		04 बैच	**3 राज्य**	**05**

संलग्नक-V

स्कोप फॉर मेनस्ट्रीमिंग आयुर्वेद रिसर्च इन टीचिंग प्रोफेशनल (एसएमएआरटी) प्रोग्राम:

क्र. सं.	राज्य	सहयोगी संस्थान का नाम	परियोजना का नाम
1.	कर्नाटक	1. श्री धर्मस्थल मंजुनाथेश्वर कॉलेज ऑफ आयुर्वेद एंड हॉस्पिटल, हासन	1. प्राथमिक घुटने के ऑस्टियोआर्थराइटिस के प्रबंधन में आयुर्वेद चिकित्सीय उपचार पद्धति का, उपचार अनुपालन, सहनशीलता और सुरक्षा: एक ओपीडी-आधारित अध्ययन 2. आयरन की कमी से होने वाले एनीमिया के प्रबंधन में द्राक्षावलेह का सहनशीलता उपचार अनुपालन और सुरक्षा: एन ओपन लेबल सिंगल आर्म क्लिनिकल स्टडी
		2. श्री धर्मस्थल मंजुनाथेश्वर कॉलेज ऑफ आयुर्वेद, उडुपी	1. प्राथमिक घुटने के ऑस्टियोआर्थराइटिस के प्रबंधन में आयुर्वेद चिकित्सीय उपचार पद्धति का, उपचार अनुपालन, सहनशीलता और सुरक्षा: एक ओपीडी-आधारित अध्ययन
		3. येनेपोया आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज, मंगलुरु- 575018	1. प्राथमिक घुटने के ऑस्टियोआर्थराइटिस के प्रबंधन में आयुर्वेद चिकित्सीय उपचार पद्धति का, उपचार अनुपालन, सहनशीलता और सुरक्षा: एक ओपीडी-आधारित अध्ययन
		4. श्री बी.एम. कंकनावाड़ी आयुर्वेद महाविद्यालय, बेलगावी	1. आयरन की कमी से होने वाले एनीमिया के प्रबंधन में द्राक्षावलेह का सहनशीलता उपचार अनुपालन और सुरक्षा: एन ओपन लेबल सिंगल आर्म क्लिनिकल स्टडी 2. जेनरेलाइज्ड एंजाइटी डिस्ऑर्डर में आयुष एसआर के उपचार अनुपालन और सहनशीलता का आकलन करने के लिए एक बहु-केंद्रीय अध्ययन
		5. आयुर्वेद एवं एकीकृत चिकित्सा संस्थान (आई-एआईएम) हेल्थकेयर सेंटर, बेंगलुरु	1. आयरन की कमी से होने वाले एनीमिया के प्रबंधन में द्राक्षावलेह की सहनशीलता उपचार अनुपालन और सुरक्षा: एन ओपन लेबल सिंगल आर्म क्लिनिकल स्टडी
		6. श्री श्री कॉलेज ऑफ आयुर्वेदिक साइंस एंड रिसर्च, बैंगलोर	1. आयरन की कमी से होने वाले एनीमिया के प्रबंधन में द्राक्षावलेह का सहनशीलता उपचार अनुपालन और सुरक्षा: एन ओपन लेबल सिंगल आर्म क्लिनिकल स्टडी 2. जेनरेलाइज्ड एंजाइटी डिस्ऑर्डर के उपचार अनुपालन और सहनशीलता का आकलन करने के लिए एक बहु-केंद्रीय अध्ययन
		7. अल्वा'ज आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, कर्नाटक	1. सोरायसिस के प्रबंधन में आयुर्वेद चिकित्सीय उपचार पद्धति का अनुपालन,

			सहनशीलता और सुरक्षा: एन ओपन लेबल सिंगल आर्म अध्ययन
		8. आदिचुंचनगिरि आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, सर्वे नंबर 112 नगरुरु दासनपुरा, होबली	1. जेनरेलाइज्ड एंजाइटी डिस्ऑर्डर में आयुष एसआर के उपचार अनुपालन और सहनशीलता का आकलन करने के लिए एक बहु-केंद्रीय अध्ययन
		9. श्री कालबिरवेश्वरस्वामी आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र, बैंगलोर, कर्नाटक	1. रुमेटॉइड आर्थराइटिस (आरए) के प्रबंधन में आयुर्वेद चिकित्सीय उपचार पद्धति का उपचार अनुपालन, सहनशीलता और सुरक्षा: एक ओपन लेवल, ओपीडी-आधारित, बहु-केंद्रीय अध्ययन
2.	महाराष्ट्र	1. महाराष्ट्र स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, नासिक	1. प्राथमिक घुटने के ऑस्टियोआर्थराइटिस के प्रबंधन में आयुर्वेद चिकित्सीय उपचार पद्धति का, उपचार अनुपालन, सहनशीलता और सुरक्षा: एक ओपीडी-आधारित अध्ययन 2. आयरन की कमी से होने वाले एनीमिया के प्रबंधन में पुनर्नवा मंडुरा की सहनशीलता, उपचार अनुपालन और सुरक्षा: एन ओपन लेबल सिंगल आर्म अध्ययन
		2. महात्मा गांधी आयुर्वेद कॉलेज अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र सालोद (एच), वर्धा	1. प्राथमिक घुटने के ऑस्टियोआर्थराइटिस के प्रबंधन में आयुर्वेद चिकित्सीय उपचार पद्धति का, उपचार अनुपालन, सहनशीलता और सुरक्षा: एक ओपीडी-आधारित अध्ययन
		3. भारती आयुर्वेद विद्यापीठ (मानद विश्वविद्यालय) आयुर्वेद महाविद्यालय	1. प्राथमिक घुटने के ऑस्टियोआर्थराइटिस के प्रबंधन में आयुर्वेद चिकित्सीय उपचार पद्धति का, उपचार अनुपालन, सहनशीलता और सुरक्षा: एक ओपीडी-आधारित अध्ययन
		4. संत ज्ञानेश्वर शिक्षण संस्था माननीय श्री अन्नासाहेब डांगे आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज	1. आयरन की कमी से होने वाले एनीमिया के प्रबंधन में पुनर्नवा मंडुरा की सहनशीलता, उपचार अनुपालन और सुरक्षा: एन ओपन लेबल सिंगल आर्म अध्ययन
		5. यशवंत आयुर्वेदिक कॉलेज, कोल्हापुर	1. आयरन की कमी से होने वाले एनीमिया के प्रबंधन में पुनर्नवा मंडुरा की सहनशीलता, उपचार अनुपालन और सुरक्षा: एन ओपन लेबल सिंगल आर्म अध्ययन
		6. तिलक आयुर्वेद महाविद्यालय, पुणे	1. रुमेटॉइड आर्थराइटिस (आरए) के प्रबंधन में आयुर्वेद चिकित्सीय उपचार पद्धति का, उपचार अनुपालन, सहनशीलता और सुरक्षा: एक ओपन लेवल, ओपीडी-आधारित, बहु-केंद्रीय अध्ययन
		7. डी वाई पाटिल आयुर्विज्ञान कॉलेज,शो पुणे	1. डिस्लिपिडेमिया के प्रबंधन में आयुर्वेदिक योगों की उपचार सहनशीलता, दवा अनुपालन और सुरक्षा पर नैदानिक

			अध्ययन

संलग्नक-VI

महाराष्ट्र, कर्नाटक और राजस्थान राज्यों में सीसीआरएएस के अंतर्गत कार्यरत संस्थानों की सूची:

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	संस्थान/केन्द्र का नाम
1.	महाराष्ट्र	1) राजा रामदेव आनंदीलाल पोद्दार (आरआरएपी) केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, मुंबई
		2) क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, नागपुर
		3) क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, पुणे
2.	कर्नाटक	4) केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, बेंगलुरु
3.	राजस्थान	5) एम.एस. क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, जयपुर